



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 111] नई दिल्ली, मंगलवार, जून 10, 1993/ज्येष्ठ 20, 1915

No. 111] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 10, 1993/JYAISTHA 20, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 10 जून, 1993

21 दिसम्बर, 1992 को प्रकाशित संकलन का परिशिष्ट

सं. 7 (35)/92-आई. आर. एस.—भारत सरकार ने तारीख 21 दिसम्बर, 1992 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-1 में प्रकाशित संकल्प में, राष्ट्रीय नवीकरण निधि (एन आर एफ) के लिए मार्गदर्शी-सिद्धांतों को अंतिम रूप दिया था। मार्गदर्शी-सिद्धांतों के पैरा 3 में राष्ट्रीय नवीकरण निधि के अंग निर्धारित किए गए हैं। उक्त पैराग्राफ के

उप पैरा क के नीचे दी गयी राष्ट्रीय नवीकरण अन्वयन निधि के प्रयोजनों के अतिरिक्त निम्नलिखित पक्षियां पढ़ी जाएं :

“(ग) व्याज राजसहायता के लिए अन्वयन उपलब्ध कराना ताकि वित्तीय संस्था कमजोर एकाइयों के औद्योगिक पुनर्निर्माण के फलस्वरूप धमिक योजनाकरण, यदि आवश्यक हो के लिए धन की व्यवस्था हेतु उदार ऋण उपलब्ध कर सकें।”

आदेश से

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

प्रां.जां. संकड अपर सचिव

New Delhi, the 10th June, 1993

ADDENDUM TO THE RESOLUTION
PUBLISHED ON DECEMBER 21, 1992

No. 7(35)/92-IRS.—The Government of India in the Resolution published in the Gazette of India, Extra-Ordinary, Part-I, Section 1, dated the 21st December, 1992 had finalised the guidelines for the National Renewal Fund (NRF). Paragraph 3 of the guidelines sets out the constituents of the National Renewal Fund. The following lines may be read in addition to the purposes of the National Renewal Grant Fund given under sub-para A of the aforesaid paragraph :

“(c) To provide resources for interest subsidies to enable financial institution to provide soft loans for funding labour rationalisation, as required, resulting from the industrial restructuring of weak units.”

By Order,
P. G. MANKAD, Additional Secy.